दिल्ली दंगों के मामले में सात आरोपी हत्या के आरोप से बरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के मामले में सात आरोपियों को बरी कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि केवल एक पुलिस गवाह की गवाही के आधार पर आरोपियों को घातक हमले का दोषी ठहराना सुरक्षित नहीं होगा। अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने कुलदीप सिंह, हरजीत सिंह उर्फ हैप्पी, राहुल उर्फ अजय, सचिन रस्तोगी, भारत भूषण उर्फ लकी, संदीप उर्फ संजीव और धर्मेंद्र उर्फ धाम को निषेधाज्ञा के उल्लंघन का दोषी पाया। अदालत के अनुसार, इन आरोपियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत दोषी ठहराया गया है। धारा 144 के तहत संबंधित क्षेत्र में लोगों के एकत्र होने और कुछ गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। वहीं, धारा 188 सरकारी अधिकारी के आदेश की अवज्ञा से संबंधित है। मामले में अदालत ने हत्या के आरोपों पर विचार करते हुए कहा कि उपलब्ध गवाही के आधार पर आरोपियों को घातक हमले का दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। इस आधार पर उन्हें राहत दी गई।

भारतीय नौसेना को मिला पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत

नईदुनिया ब्यूरो, कारवार: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कर्नाटक के कारवार में भारतीय नौसेना के पहले स्वदेशी बहुउद्देशीय पोत आईएनएस समर्थक का शुभारंभ किया।

75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित यह पोत रक्षा विनिर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और तकनीकी क्षमता को दर्शाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अब केवल आकांक्षा नहीं, बल्कि वास्तविकता बन रही है। यह भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और विकसित एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के लक्ष्य को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज और चोल वंश की समुद्री परंपराओं का उल्लेख करते हुए देश की समृद्ध समुद्री विरासत को भी

रेखांकित किया। आईएनएस समर्थक का उपयोग अगली पीढ़ी के हथियारों, संवेदकों और नई तकनीकों के परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।

यह पोत समुद्री निगरानी, टोही, अपतटीय गश्त, लक्ष्य प्रक्षेपण और पुनर्प्राप्ति तथा मानवरहित प्रणालियों से जुड़े अभियानों में सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में भी इसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उपराष्ट्रपति ने भारतीय नौसेना की समुद्री डकैती विरोधी कार्रवाइयों, नागरिकों की निकासी और आपदा राहत अभियानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग और आपातकालीन सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कारवार के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अरब सागर से इसकी निकटता और गहरा प्राकृतिक बंदरगाह इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। समुद्री अवसंरचना के विकास से जहाजों और पनडुब्बियों के संचालन तथा रखरखाव की क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने भारतीय नौसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, निजी जहाज निर्माण कंपनियों, लघु उद्योगों और नवोद्यमों के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया। पोत निर्माण में लार्सन एंड टुब्रो के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने स्वदेशी रक्षा उत्पादन से जुड़े अभियंताओं, तकनीशियनों और श्रमिकों के प्रयासों को सराहा।

जाति-पांति से परे माँ का आंचल और दो देशों को जोड़ता धाम

करोड़ों की आस्था का केंद्र माँ हिंगलाज पावन धाम

कहते हैं, माँ तो माँ होती है। माँ के लिए कोई बंधन नहीं होता, कोई जाति नहीं होती, कोई धर्म नहीं होता। इसी सच्चाई का जीवंत प्रमाण है रायसेन जिले के बाड़ी नगर में विंध्याचल पर्वत श्रेणी की तलहटी में बसा माँ हिंगलाज का पावन धाम। यहां ऐतिहासिक हाथी दरवाजा है, सैकड़ों वर्ष पुरानी बावड़ी है, तीन समाधि स्थल हैं। संस्कृत पाठशाला और यज्ञशाला भी है। यह धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की सबसे बड़ी मिसाल है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान से भारत के बाड़ी तक का सफर: *माँ हिंगलाज के दो प्रमुख धामों की चर्चा पूरे सनातन जगत में होती है। एक धाम पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित है, जिसे नानी माँ और नानी की दरगाह के नाम से जाना जाता है, और दूसरा धाम मध्य प्रदेश के बाड़ी में है, जो माँ हिंगलाज के नाम से प्रसिद्ध है। कथा के अनुसार, करीब पांच सौ वर्ष पहले महात्मा भगवानदास को माँ हिंगलाज ने स्वप्न दिया था कि वे उन्हें भारत लेकर जाएं। महात्मा ने प्रण लिया और कठिन तपस्या के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान से माँ को ज्योति के रूप में बाड़ी लेकर आए। उस समय इस स्थान को खाकी राम जानकी अखाड़े के नाम से जाना जाता था, जहां केवल तपस्वी साधु-संत ही पहुंच सकते थे। वहां माँ के ज्योति स्वरूप को मूर्ति के सामने स्थापित किया गया, जहां वह ज्योति मूर्ति में समाहित हो गई और आज वही स्थान करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र बन गया है। हिंगलाज नाम का अर्थ भी बहुत गहरा है। हिंग का अर्थ है रौद्र रूप और लाज का अर्थ है लज्जा। कथा के अनुसार, भगवान शिव के सीने पर पैर रखने के बाद माँ शक्ति लज्जित हुई थीं। इसी रौद्र रूप और लज्जा की कथा से माँ का नाम हिंगलाज पड़ा और हिंगलाज का अर्थ है सबको तत्काल फल देने वाली मां।*

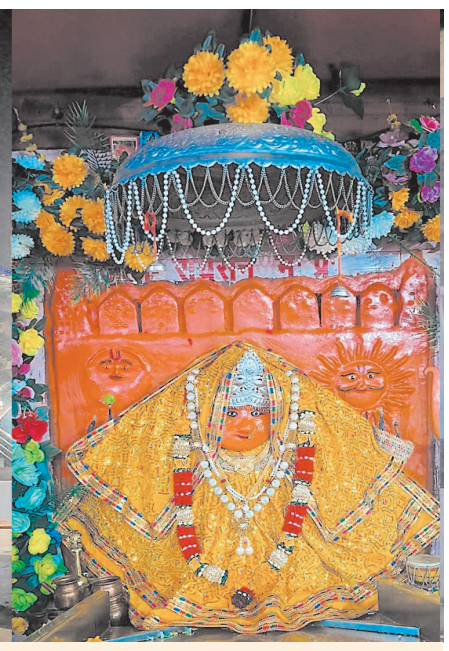

नवाब की बेगम का प्रसाद और पैंसठ एकड़ जमीन का दान

इस धाम से जुड़ी एक और चमत्कारी कथा बाड़ी के नवाब के समय की है। कहा जाता है कि एक बार बाड़ी के नवाब की बेगम ने माँ के लिए प्रसाद के रूप में मांस भेजा था, जिसे मंदिर के हाथी दरवाजे पर ही रोक दिया गया और वहीं भोग लगाया गया। मान्यता के अनुसार, वह मांस मिष्ठान में परिवर्तित हो गया। इस चमत्कार को देखकर बेगम का मन बदल गया और उसने मंदिर के आसपास की पैंसठ एकड़ जमीन मंदिर को दान में दे दी। यही कारण है कि आज भी मंदिर परिसर में हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। मंदिर परिसर में महात्मा भगवानदास और पीर बाबा की समाधियां एक साथ स्थित हैं, जो दो धर्मों की परंपराओं को जोड़कर रखे हुए हैं। आज भी यहां अमर ज्योति अनवरत जल रही है, जो कभी नहीं बुझती।

नवरात्रि में उमड़ता है जनसैलाब और एक सौ आठ लौंग की परिक्रमा

मध्य प्रदेश सहित भारत के विभिन्न प्रांतों और विदेशों में बसे सनातनी हिंदू नवरात्रि में माँ के दरबार में पूजा-अर्चना करने आते हैं। कोई संतान की कामना लेकर आता है, तो कोई धन, सुख, शांति और समृद्धि की कामना लेकर आता है। दूर-दूर से श्रद्धालु ध्वज लेकर आते हैं। नारियल, फल, फूल और बेलपत्र अर्पित कर माँ की पूजा करते हैं। मान्यता है कि यहां महिला या पुरुष एक सौ आठ लौंग के साथ परिक्रमा करते हैं, तो उनकी मनोकामना शीघ्र पूर्ण होती है। इसी आस्था और विश्वास के साथ भक्त माँ के दरबार में पहुंचते हैं और सच्चे मन से मांगी गई मुराद पूरी होती है। वर्ष 2001 से पहले यहां संत परंपरा के अनुसार व्यवस्था संचालित होती थी, लेकिन आपसी विवादों के चलते बाद में मंदिर की व्यवस्था शासन के अधीन ट्रस्ट को सौंप दी गई। तब से यहां की व्यवस्था तहसीलदार देखते हैं, लेकिन भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं आई है, बल्कि हर साल यह आस्था और अधिक बढ़ रही है।

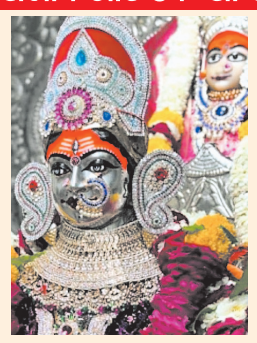

संस्कृत पाठशाला और चारों धामों की छटा

माँ हिंगलाज के दरबार में केवल पूजा ही नहीं, बल्कि ज्ञान की गंगा भी बह रही है। यहां संस्कृत पाठशाला और यज्ञशाला है, जहां सौ से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह धाम शिक्षा और आस्था का संगम है। मंदिर में एक प्राचीन शंख भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे कान के पास लगाने पर राम-राम की ध्वनि सुनाई देती है। यहां चारों धामों की छटा एक साथ देखने को मिलती है, इसलिए भक्त इसे छोटा चार धाम भी कहते हैं।

मंदिर के पास गोमांस पकाने पर विवाद

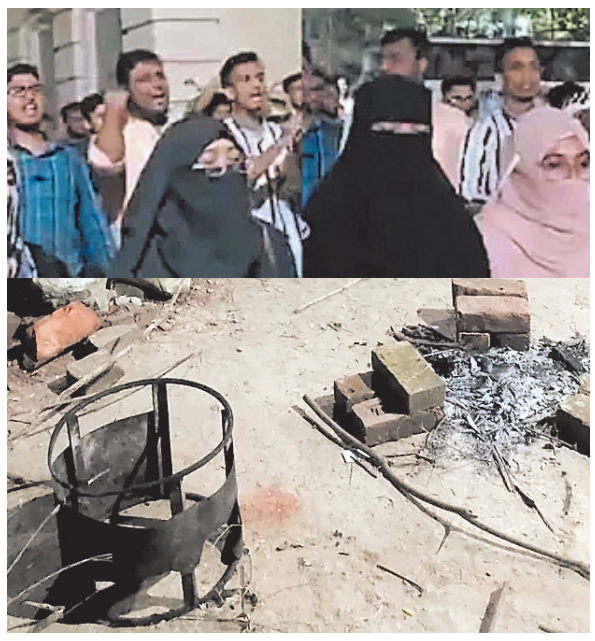

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दी आयोजन की अनुमति

ढाका, एजेंसी: बांग्लादेश की जगन्नाथ विश्वविद्यालय में मंदिर के पास गोमांस पकाने को लेकर विवाद बढ़ गया है। 12 अक्टूबर को इस्लामी इतिहास एवं संस्कृति विभाग के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय मंदिर के पास गोमांस की खिचड़ी बनाई थी। कुछ हिंदू विद्यार्थियों ने इसका विरोध किया। मामला बढ़ने पर विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद आयोजक मंदिर से दूर जाकर भोजन बनाने लगे।

मंदिर समिति के सदस्य सचिव जॉय साहा के अनुसार, समिति को ईंटों के इस्तेमाल से अधिक आपत्ति मंदिर के इतने करीब भोजन बनाने पर थी। घटना के बाद सनातनी विद्यार्थियों ने परिसर में मार्च निकाला और सामाजिक माध्यमों पर विवाद बढ़ गया।

14 अक्टूबर को विश्वविद्यालय प्रशासन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण का हवाला देते हुए परिसर में पशु वध से बचने का नोटिस जारी किया। इसके विरोध में मुस्लिम विद्यार्थियों के एक समूह ने शुक्रवार को गाय काटकर दावत करने की घोषणा की। आयोजकों ने बताया कि इसके लिए चंदा जुटाकर गाय खरीदी गई है। कार्यक्रम कला भवन के पास खुले मैदान में आयोजित करने पर विचार किया गया।

विद्यार्थियों के विरोध के बाद प्रशासन ने दूसरा नोटिस जारी किया। इसमें कहा गया कि पशु वध से बचने की अपील का उद्देश्य धार्मिक तनाव रोकना था, लेकिन इससे गलतफहमी पैदा हुई, जिसके लिए प्रशासन ने खेद जताया। नए नोटिस में स्पष्ट किया गया कि विद्यार्थियों को परिसर में पशु वध सहित कार्यक्रम आयोजित करने का अधिकार है, लेकिन किसी आयोजन से दूसरों की धार्मिक गतिविधियों में बाधा नहीं आनी चाहिए। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर डॉ. एमडी आजम खान ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान नया विवाद रोकने के लिए विद्यार्थियों से पशु वध नहीं करने की अपील की गई थी। केंद्रीय छात्र संघ के महासचिव अब्दुल अलीम आरिफ के अनुसार, छात्र संघ और प्रशासन के बीच बैठक हुई है। दोनों पक्ष आयोजन करने पर सहमत हुए हैं।

आलू-पुरी खाने के बाद 75 बीएसएफ के जवानों की तबीयत बिगड़ी

उल्टियां होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, तीन नागरिक भी उपचार के लिए पहुंचे

नईदुनिया ब्यूरो, इंफाल: मणिपुर की राजधानी इंफाल में शुक्रवार को भोजन के बाद तबीयत बिगड़ने पर सीमा सुरक्षा बल के 75 जवानों सहित 78 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रभावित लोगों में तीन आम नागरिक भी शामिल हैं। सभी को भोजन विषाक्तता की शिकायत हुई थी। जानकारी के अनुसार, सभी लोगों ने नाश्ते में आलू की सब्जी और पूरियां खाई थीं। इसके बाद उन्हें बार-बार उल्टियां होने लगीं। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार के लिए लाया गया। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि नाश्ता करने के बाद लोगों को उल्टियां होने लगी थीं। इसके बाद उन्हें अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में लाया गया। अस्पताल में भर्ती कराए गए लोगों में सीमा सुरक्षा बल के जवानों की संख्या सबसे अधिक है। इनके साथ तीन नागरिक भी उपचार के लिए पहुंचे। भोजन करने के बाद एक साथ इतने लोगों की तबीयत बिगड़ने से उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। घटना के संबंध में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रभावित लोगों ने आलू की सब्जी और पूरियां खाई थीं। हालांकि, भोजन विषाक्तता के वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल सभी प्रभावित लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में कुल 78 लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। इनमें 75 सीमा सुरक्षा बल के जवान और तीन नागरिक शामिल हैं।

तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न पर 30 अक्टूबर को सुनवाई, चुनाव आयोग दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों का पक्ष सुनेगा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी गुटों को पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद पर सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर को बुलाया है। पश्चिम बंगाल के उपचुनावों में पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने के बाद यह पहली सुनवाई होगी। चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को जारी अंतरिम आदेश में कहा था कि इस मामले पर अंतिम और ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। यह आदेश ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं की सुनवाई के बाद जारी किया गया था। आयोग ने चुनाव चिह्न आदेश, 1968 के प्रावधानों के तहत मामले पर विचार करने की बात कही थी। इसके बाद दोनों गुटों को पश्चिम बंगाल के उपचुनावों में पार्टी के नाम और जोड़ा फूल तथा घास के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया गया था।

नकली मोबाइल का कारोबार पकड़ा, 1034 फोन जब्त

नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात के अहमदाबाद में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली मोबाइल फोन बेचने के मामले का खुलासा हुआ है। शहर के गीतामंदिर बस अड्डे के पास स्थित मोबाइल बाजार में स्थानीय अपराध शाखा के छठे क्षेत्र की टीम ने पांच दुकानों और गोदामों पर छापा मारकर 1034 संदिग्ध मोबाइल फोन जब्त किए। लैपटॉप, चार्जर, बैटरी, स्टीकर और अन्य सामान सहित जब्त सामग्री की कुल कीमत 7.07 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बाजार में नामी कंपनियों के नाम पर नकली फोन बेचे जा रहे हैं। इसके बाद जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त भागीरथ गढ़वी के अनुसार, गुरुग्राम की रिएक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दिल्ली की अस्वथ लीगल के माध्यम से सैमसंग कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाकर फोन की जांच कराई गई। जांच में जब्त सैमसंग फोन और अन्य सामग्री नकली पाई गई। कंपनी की अनुमति के बिना उसके व्यापार चिह्न और प्रतीक के इस्तेमाल की बात भी सामने आई। जब्त फोन में सैमसंग, नोकिया और जियो के नाम वाले उपकरण शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, कारोबारियों के पास इन फोन और सामान की खरीद से जुड़े बिल नहीं थे। जांच के दौरान जियो नाम के फोन जोड़ने वाली एक इकाई भी मिली, जहां अलग-अलग पुर्जों को जोड़कर फोन तैयार किए जाते थे। पुलिस को मोबाइल के अंतरराष्ट्रीय पहचान क्रमांक में भी गड़बड़ी मिली। कुछ स्टीकरों पर 50 से 60 फोन के लिए एक ही पहचान क्रमांक दर्ज होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने गीतामंदिर बाजार के छह कारोबारियों और कालूपुर के आठ कथित आपूर्तिकर्ताओं सहित कुल 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मिजाज *मौसम खराब होने के कारण मथुरा में सभी स्कूल बंद, राजस्थान में ओलावृष्टि*

उत्तराखंड के ऊँचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार और मध्य प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी का असर दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग ने विभिन्न जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह से आगरा, मथुरा और हाथरस सहित पांच शहरों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम खराब होने के कारण मथुरा के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित करना पड़ा। मौसम विभाग ने प्रदेश के 37 जिलों में शुक्रवार को आंधी, बारिश और बिजली

गिरने की चेतावनी दी है।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम बदल गया है। गुरुवार को सात से अधिक जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में पांच डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को भी सात जिलों में बारिश और ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

उत्तराखंड के आठ जिलों में शुक्रवार को बारिश का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को केदारनाथ, चोपता, हेमकुंड साहिब और बदरीनाथ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। शुक्रवार सुबह केदारनाथ में तापमान शून्य से छह डिग्री नीचे और बदरीनाथ में शून्य से पांच डिग्री नीचे दर्ज किया गया। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बाद पछुआ हवाएं चल रही हैं। प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 17 और 18 अक्टूबर को उत्तर बिहार के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी होने की संभावना है।

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय हैं। इनके प्रभाव से अगले चार दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रह सकता है। शुक्रवार को ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना और शिवपुरी में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की गई है।